बोर्ड, बम्बई तथा इसके क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रमाणित हिन्दी और अन्य भाषाओं की भारतीय फिल्मों की संख्या संबंधी ब्यौरे अनुपत्र में दिए गए हैं। [देखिए परिशिष्ट 173, अनुपत्र सं० 148]

(ख) फीचर फिल्म वार राजस्व संग्रहण संबंधी आंकड़ों का रख-रखाव नहीं किया जाता है।

(ग) तथा (घ) देश में निर्मित फिल्मों के ब्यौरे के अभाव के कारण इस संबंध में किसी निष्कर्ष पर पहुंचना संभव नहीं है।

(ङ) तथा (च) राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के अनुसार हिन्दी फीचर फिल्म निर्माण संबंधी लागत 15 लाख रुपये से 60 लाख रुपये तक भिन्न-भिन्न हैं। सरकार ने इस संबंध में कोई नियम नहीं बनाया है।

भोजपुरी फिल्मों का प्रसारण

6971. **श्री आस मोहम्मद :**
श्री ईश दत्त यादव :

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत वर्ष दूरदर्शन के क्षेत्रीय चैनल पर कितनी भोजपुरी फिल्में प्रसारित की गई हैं ; और

(ख) सरकार ने भोजपुरी फिल्मों को और बढ़ावा देने तथा उनके प्रसारण के लिए क्या कदम उठाये हैं अथवा उठाने का विचार है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य-मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) दो।

(ख) हालांकि राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम भोजपुरी सहित विभिन्न भाषाओं में फिल्मों के निर्माण हेतु पटकथा/प्रस्ताव के गुण-दोष पर निर्भर करते हुए वित्तीय सहायता प्रदान करता है तथापि, दूरदर्शन इसको प्रदान की गई विभिन्न बोलियों/भाषाओं की फिल्मों में उनकी उपयुक्तता तथा अपनी कार्यक्रम अपेक्षाओं पर निर्भर करते हुए टेलीकास्ट करता है।

प्रसारण संहिता को लागू किया जाना

6972. **श्री संघ प्रिय गौतम :** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने प्रसारण संहिता को पुनः लागू करने का कोई निर्णय लिया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या अफ्रीका के सभी भागों में आकाशवाणी के प्रसारण को सुदृढ़ बनाने हेतु इसकी विदेश सेवा को पुनः शुरू करने का कोई ठोस प्रस्ताव है ; और

(ग) यदि हां, तो प्रसारण संहिता को पुनः लागू करने की मुख्य विशेषताएं क्या-क्या हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य-मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव) : (क) और (ख) आकाशवाणी द्वारा 1967 से आकाशवाणी संहिता का पालन किया जा रहा है।

(ख) कई वर्षों से अब तक आकाशवाणी द्वारा अफ्रीका में श्रोताओं के लिए निम्नलिखित भाषा सेवाओं का प्रसारण किया जा रहा है :—

क्र० सं०	भाषा	लक्ष्य
1.	स्वाहिली	पूर्वी अफ्रीका
2.	हिन्दी	पूर्वी अफ्रीका
3.	गुजराती	पूर्वी अफ्रीका
4.	अंग्रेजी	पूर्वी, पश्चिमी तथा उत्तर-पश्चिमी अफ्रीका
5.	फ्रेंच	पश्चिमी तथा उत्तर पश्चिमी अफ्रीका